कविता संग्रह

जिन्दगी चन्दन बोती है

माधव शुक्ल मनोज

Scanned with OKEN Scanner

कवि / माधव शुक्ल मनोज

प्रथम-संस्करण १९९२

मूल्य २५.००

प्रकाशक- साहित्य सागर संस्था सागर

मुद्रक- मुकेश प्रिंन्टिग प्रेस
गुजराती बाजार सागर (म. प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

इस पार की एक साँझ /५
उजाले की चिड़िया /७
हम सब उसे /९
सामने के पहाड़ से /१०
वेगवती नदी /११
ओ, री, ओ /१२
एक नया पेड़ /१३
अशांत लटकती हुई झोल /१४
तनावों का पौधा /१५
नागफनी के देश में /१७
दर्द से चुना गया दर्द /१८
धंसता हुआ पहाड़ /१९
बबूल के वातावरण में /२०
कल का चेहरा /२१
बोझ /२२
अनकही प्रार्थनायें /२२
कोई एक चट्टान /२३
पीठ पर जंगल /२३
धूल भरे झोकों में /२४
जी चाहता है /२५
जब भी /२७
शाम होते ही /२८
तनावों के महासागर में /२८
सतर्कता /२९
अपनी दिशा से /२९
पांच चुटकियां /३०
जब आदमी /३२

बताओ तो जानो /३३
भूले से शहर में /३५
थोड़ा उदास /३६
यादों के दंश /३७
गुलाब तोड़ता हूं /३८
जाने कैसा लगता /३९
कहने को जिन्दगी /४०
जिन्दगी चन्दन बोती है /४१
मौसम का झोंका /४३
दर्द संभालो जो /४४
बोझ कहां तक हल्का होगा /४५
अपनी जमीन /४६
सहस्त्रबाहु–सुख/४७
आहिस्ता–आहिस्ता /४८
सुख सांत्वना देकर /४९
काम करती हुई प्रस्तुति /५१
नया हस्ताक्षर ५२
दो बिन्दुओं में /५२
इतना बड़ा चेहरा /५३
सब कुछ तुम्हारा ही तो है /५५
पक्षियों का वाचनालय और अखबार /६१
आगत का सपना /६२
गुलाब की तरह दिन /६४

सन १९३० सागर में जन्म। साहित्य रत्न! बुन्देली एवं हिन्दी के सुपरिचित कवि-लेखक। लोक कलाओं में गहरी अभिरुचि। राष्ट्रपति पुरुस्कार प्राप्त शिक्षक। बुन्देल खंड के लोक नृत्य राई पर शोधात्मक कार्य लेखन। प्रकाशित मौनोग्राफ म.प्र. आदिवासी लोक कला परिषद के मनोनीत पूर्व सदस्य। सन ४२ के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय (भूमिगत) भाग लिया। "विन्यास" मासिक पत्रिका एवं "सोनार बंगला देश" कविता संकलन का संपादन।

आकाशवाणी १९५३ से सम्बद्ध स्थाई अनुबंधित कवि। छतरपुर आकाशवाणी के मनोनीत कार्यक्रम सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य। प्रगतिशील लेखक संघ सागर इकाई के पूर्व सदस्य। महत्वपूर्ण बुन्देली कला साहित्य संस्थाओं से सम्बद्ध। राष्ट्रीय एकता यात्रा दल सागर के संयोजक।

निवास स्थाई पता :– परकोटा सागर (म. प्र.)

प्रकाशित कृतियां

(१) सिकता कण – कविता संग्रह
(२) भोर के साथी – ,,
(३) माटी के बोल – ,,
(४) एक नदी कंठी सी – ,,
(५) नीला बिरछा – ,,
(६) धुनकी रुई पै पौआ– बुन्देली कविता संग्रह
(७) टूटे हुए लोगों के नगर में – कविता संग्रह
(८) बेला नटनी – बुन्देली संगीत रूपक
(९) राजा हरदौल बुन्देला – नाटक (बुन्देली आधुनिक नाट्य साहित्य में प्रकाशित)
(१०) एक अध्यापक की डायरी – मध्य प्रदेश संदेश पत्रिका में धारावाहिक प्रकाशित

मुद्रक– मुकेश प्रिन्टिंग प्रेस, सा